



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

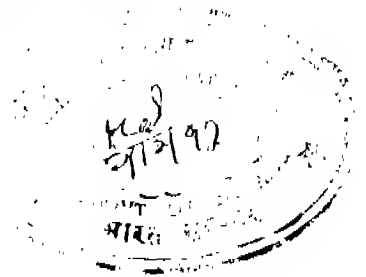
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 392]

नई दिल्ली, सोमवार, अक्टूबर 6, 1997/आश्विन 14, 1919

No. 392]

NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 6, 1997/ASVINA 14, 1919

वित्त मंत्रालय

(कंपनी कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर, 1997

सा. का. नि. 580(अ).—केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) (जिसे इसमें इसके पश्चात् अधिनियम कहा गया है) की धारा 594 की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (कंपनी विधि प्रशासन विभाग) की अधिसूचना सं. का. नि. आ. 3216, तारीख 4 अक्टूबर, 1957 (जिसे इसमें इसके पश्चात् अधिसूचना कहा गया है) में आंशिक उपांतर करते हुए यह निदेश देती है कि ऐसी विदेशी कंपनियों, जिनका/जिनके भारत में केवल संपर्क कार्यालय है/हैं विदेशी मुद्रा विनियम अधिनियम, 1973 की धारा 29 के अधीन भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमोदन से सुसंगत लेखावर्ष की समाप्ति तक विधि मान्य है और जो भारत में व्यापारिक, विनिर्माण या अन्य वाणिज्यिक क्रियाकलापों में नहीं लगी हुई है, के मामले में उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) की अपेक्षाएं जैसी वे किसी विदेशी कंपनी को लागू होती हैं उक्त अधिसूचना द्वारा यथा उपान्तरित निम्नलिखित अतिरिक्त अपवादों और उपान्तरों के अधीन रहते हुए लागू होंगी; अर्थात् :—

यदि, कंपनी अपने भारतीय कारबार लेखाओं के संबंध में भारत में समुचित कंपनी रजिस्ट्रार को निम्नलिखित की तीन प्रतियां प्रस्तुत करें तो उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) के उपबंधों का पर्याप्त अनुपालन हुआ समझा जाएगा :—

(i) विदेशी मुद्रा विनियम अधिनियम, 1973 की धारा 29 के अधीन सुसंगत लेखा वर्ष की समाप्ति तक विधिमानी कंपनी को अनुमोदन देने वाले भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए गए पत्र की प्रति ;

(ii) ऐसी कंपनी की भारतीय शाखाओं द्वारा प्राप्तियों और किए गए संदायों का एक विवरण, जिसे —

(क) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन भारत में आदेशिका का तामील स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति और

(ख) भारत में व्यवसायगत किसी चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट द्वारा :

यह प्रमाणित करते हुए प्रमाणित किया जाता है कि उक्त विवरण भारत में कंपनी की प्राप्तियों और संदायों की बाबत सही और उचित है ;

(iii) भारत में कंपनी की आस्तियों और दायित्वों का एक विवरण, जिसे —

(क) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन भारत में आदेशिका की तामील स्वीकार करने के लिए, प्राधिकृत किसी व्यक्ति; और

(ख) भारत में व्यवसायगत किसी चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट द्वारा :

यह प्रमाणित करते हुए प्रमाणित किया गया है कि उक्त विवरण भारत में कंपनी के कार्यकलाप के बाबत सही और उचित है ; और

(iv) इस आशय का एक प्रमाणपत्र कि कंपनी ने भारत में कोई व्यापारिक, वाणिज्यिक या औद्योगिक क्रियाकलाप नहीं किया है या माल का कोई बीजक नहीं लिया है, जिसे —

(क) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन भारत में आदेशिका की तामील स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा, और

(ख) भारत में व्यवसायगत किसी चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित किया गया है।

[फा. सं. 3/9/97-सी. एल. V]

आर. डी. जोशी, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Company Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 6th October, 1997

G. S. R. 580(E).—In exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (1) of section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) (hereinafter referred to as the Act) and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) number S.R.O. 3216, dated the 4th October 1957 (hereinafter referred to as the Notification) the Central Government hereby directs that in the case of foreign companies, having only liaison office(s) in India (with the approval of the Reserve Bank of India under Section 29 of the Foreign Exchange Regulation Act, 1973 valid upto the end of the relevant accounting year) and which are not engaged in any trading, manufacturing or other commercial activity in India, the requirements of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594 as modified in their application to a foreign company by the said notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely :—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of said section 594 if, the company in respect of its Indian Business Accounts submits to the appropriate Registrar of Companies in India, in triplicate :—

- (i) a copy of the letter issued by the Reserve Bank of India granting approval to the company under Section 29 of the Foreign Exchange Regulations Act, 1973 valid upto the end of the relevant accounting year ;
- (ii) a statement of receipts and payments made by the Indian Branches of such company, certified by :
 - (a) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of section 592 of the Act;
 - and
 - (b) a Chartered Accountant practising in India : certifying that the said statement gives a true and fair view of the receipts and payments of the company in India ;
- (iii) a statement of the company's assets and liabilities in India certified by
 - (a) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of section 592 of the Act;
 - and
 - (b) a Chartered Accountant practising in India : certifying that the said statement gives a true and fair view of the state of affairs of the company in India ;
- (iv) a certificate that the company did not carry out any trading, manufacturing or commercial activity or undertook any invoicing of goods in India duly certified by :
 - (a) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of section 592 of the Act;
 - and
 - (b) a Chartered Accountant practising in India.

[File No. 3/9/97-CL.]

R. D. JOSHI, Jt. Secy.